आये नहीं घनश्याम जो साड़ी सर से सरकी द्रोपदी भजन लिरिक्स

आये नहीं घनश्याम,
जो साड़ी सर से सरकी,
सर की सरकी पाँचो वर की,
आस लगी है मोहे गिरधर की,
आये नही घनश्याम,
जो साडी सर से सरकी।bd।

aaye nahi ghanshyam jo saadi sar se sarki

तर्ज – छोड़ेंगे ना हम तेरा साथ।

ये भी देखें – दासी मुझे बना दिया।

पाँचों पति सभा में बैठे,
जैसे बैठी नारी,
द्रोणाचार्य पितामह बैठे,
नीचे गर्दन डारी,
अपनों ने मुख मोड़ लिया है,
मोहे केवल आस तिहारी,
आये नही घनश्याम,
जो साडी सर से सरकी।bd।

याद करो उस दिन की मोहन,
अंगुली कटी तिहारी,
फाड़ के साडी अपने तन की,
बाँधी तुरंत मुरारी,
बेगे पधारो नाथ हरि तुम,
लुट ना जाए लाज हमारी,
आये नही घनश्याम,
जो साडी सर से सरकी।bd।

भरी सभा में एकली ठाड़ी,
मैं किस्मत की मारी,
दुशासन मेरी साड़ी खींचे,
हुई शरम से मैं पानी,
पूर्ण रूप से किया समर्पण,
आओ ना आओ अब मर्ज़ी तिहारी,
आये नही घनश्याम,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जो साडी सर से सरकी।bd।

आये नहीं घनश्याम,
जो साड़ी सर से सरकी,
सर की सरकी पाँचो वर की,
आस लगी है मोहे गिरधर की,
आये नही घनश्याम,
जो साडी सर से सरकी।bd।

Singer & Writer – Sangeeta Rathore

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com